अर्धवार्षिक परीक्षा, 2018-19

हिन्दी

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - दसवीं | पूर्णांक - 80

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 15.09.2018 (शनिवार)

निर्देश: -

- इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

लोकतंत्र के मूलभूत तत्त्व को समझा नहीं गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर देगी, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है। लोगों में अपनी पहल से जिम्मेदारी उठाने और निभाने का संस्कार विकसित नहीं हो पाया है। फलस्वरूप देश की विशाल मानव-शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूँजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है, लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जाग्रत करना है। किसी भी देश को महान बनाते हैं उसमें रहने वाले लोग। लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं। चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ़-सफ़ाई की बात हो, जहाँ-तहाँ हम लोगों को गंदगी फैलाते और बेतरबीत ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं। फिर चाहते हैं कि सब कुछ सरकार ठीक कर दे।

सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली हैं, विशाल बाँध बनाए हैं, फ़ौलाद के कारखाने खोले हैं आदि-आदि बहुत सारे काम सरकार के द्वारा हुए हैं। पर अभी करोड़ों लोगों को कार्य में प्रेरित नहीं किया जा सकता है।

वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझ-बूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों और अपने पास जो कुछ साधन-सामग्री हो उसे लेकर कुछ करना शुरू कर दें और फिर सरकार उसमें आवश्यक मदद करे। उदाहरण के लिए, गाँववाले बड़ी-बड़ी पंचवर्षीय योजनाएँ नहीं समझ सकेंगे, पर वे लोग यह बात जरूर समझ सकेंगे कि अपने गांव में कहां कुआं चाहिए, कहां सिंचाई की जरूरत है, कहां पुल की आवश्यकता है। बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं।

क) लोकतंत्र का मूलभूत तत्त्व क्या है, यह अभी पूर्णतः सफ़ल क्यों नहीं हो पाया है ? (2)

ख) किसी भी देश को महान कौन बनाते हैं ? (2)

ग) गद्यांश में सरकार के कामों के विषय में क्या कहा गया है ? (2)

घ) गद्यांश में लेखक ने सरकारी व्यवस्था की किस कमी को उजागर किया है ? (1)

ड.) ''झकझोर कर जागृत करना'' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए । (1)

प्र.2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

बहुत ऊँचे पहाड़ पर, पेड़ नहीं उगते,
पौधे नहीं लगते, न घास ही जमती है।
जमती है सिर्फ बर्फ़
जो, कफ़न की तरह सफ़ेद और
मौत की तरह ठंडी होती है।
खेलती, खिल-खिलाती नदी,
जिसका रूप धारण कर,
अपने भाग्य पर बूँद-बूँद रोती है।
ऐसी ऊँचाई, जिसका परस
पानी को पत्थर कर दे,
ऐसी ऊँचाई, जिसका दरस हीन भाव भर दे,
अभिनंदन की अधिकारी है,
आरोहियों के लिए आमंत्रण है।
उस पर झंडे गाड़े जा सकते हैं,
किंतु कोई गौरैया,
वहाँ नीड़ नहीं बना सकती,
न कोई थका-माँदा बटोही,
उसकी छाँव में पलभर पलक ही झपका सकता है।
सच्चाई यह है कि
केवल ऊँचाई ही काफ़ी नहीं होती,
सबसे अलग-थलग,
परिवेश से पृथक
अपनों से कटा-बंटा,
शून्य में अकेला खड़ा होना,
पहाड़ की महानता नहीं, मजबूरी है।
ऊँचाई और गहराई में
आकाश-पाताल की दूरी है।

क) बहुत ऊँचे पहाड़ पर जीवन क्यों संभव नहीं है ? **(2)**

ख) पहाड़ पर जमी बर्फ़ की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ? **(2)**

ग) ऐसी ऊँचाई हीन भाव कैसे भरती है ? **(1)**

घ) आशय स्पष्ट कीजिए - ''केवल ऊँचाई ही काफ़ी नहीं होती ।'' **(1)**

ड.) ''खेलती, खिल-खिलाती नदी'' - पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार पहचानकर लिखिए । **(1)**

खण्ड - ख

प्र.3 क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित उपवाक्य का उपभेद बताइए - **(3)**

i) वह जानता था कि मैं यह कार्य नहीं करूंगा ।

ii) तुम आ जाना फिर साथ-साथ चलेंगे।

iii) यह वही स्थान है, जहाँ पर कल रात कोहरे के कारण दुर्घटना हुई थी।

ख) निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । **(2)**

i) उनकी शर्त मानकार वह भारत आए । (संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

ii) मूर्तिकार ने सुना और जवाब दिया । (मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

प्र.4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(5)**

क) स्थायी भाव से आप क्या समझते हैं ?

ख) विभाव के दो प्रमुख भेद कौन-से हैं ?

ग) 'करूण' और 'शांत' रसों के स्थायी भाव लिखिए ।

घ) निम्नलिखित पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए -

अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही ।

अब इन जोग संदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही ।

ड.) 'रौद्र' रस का एक उदाहरण लिखिए ।

खण्ड - ग

प्र.5 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है। उनको देखना करूणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था। मुझे 'परिमल' के वो दिन याद आते हैं, जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बंधे जैसे थे, जिसके बड़े सदस्य फ़ादर बुलके थे। हमारे हंसी मज़ाक में वे निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते। मुझे अपना बच्चा और फ़ादर का उसके मुख में पहली बार अन्न डालना याद आता है और नीली आंखों में तैरता वात्सल्य भी जैसे किसी ऊँचाई पर देवदारू की छाया में खड़े हों ।

क) ''परिमल के वो दिन याद आते हैं'' का आशय स्पष्ट कीजिए । **(2)**

ख) ''कर्म के संकल्प से भरना'' का भाव बताते हुए लिखिए कि लेखक ने यह पंक्ति किस महापुरूष के विषय में लिखी है ? **(2)**

ग) लेखक ने फ़ादर किन्हें कहा है और वे उत्सवों तथा संस्कारों में लेखक को किस तरह की भूमिक अदा करते हुए लगते थे ? **(1)**

प्र.6 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए - **(10)**

क) ''वो लंगड़ा क्या जाएगा फौज में । पागल है पागल !'' कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए ।

ख) नेताजी की मूर्ति लगाने के कार्य को सफल और सराहनीय प्रयास क्यों कहा गया है ?

ग) खेतीबाड़ी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे ?

घ) फ़ादर की उपस्थिति देवदार के छाया जैसी क्यों लगती थी ?

ड.) बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है ? इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्र.7 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए -

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

मृतक में भी डाल देगी जान

धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात

छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात

परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,

पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण

छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल

बांस था कि बबूल ?

क) कवि को बच्चे के धूल से सने शरीर को देखकर क्या लग रहा है ? **(2)**

ख) बांस या बबूल में से शेफालिका के फूल कब-कब झड़ने लगे होंगे ? **(2)**

ग) कविता में 'जलजात' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? **(1)**

प्र.8 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए । **(10)**

क) गोपियों के द्‌वारा उद्‌धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है ?

ख) 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' इस कथन पर अपने विचार लिखिए ।

ग) तुलसीदास जी के भाषा सौंदर्य की विशेषताएं लिखिए ।

घ) कविता का शीर्षक 'उत्साह' क्यों रखा गया है ?

ड.) फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है ?

प्र.9 समाचार-पत्रों की जन-जागरण में क्या भूमिक होती है ? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **(5)**

अथवा

'फसल' काटने के बाद उसे बाल मंडली किस प्रकार ओसाती थी ? बाद में बाबूजी आकर क्या प्रश्न करते थे ? इस प्रश्न में निहित भाव को स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस युग की बाल मंडली द्‌वारा खेले जाने वाले खेलों में कौन-सी महत्त्वपूर्ण बात छिपी होती थी ।

खण्ड - घ

प्र.10 **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए -** **(10)**

क) स्वच्छ भारत - एक कदम स्वच्छता की ओर

* भूमिका

* 'स्वच्छ भारत अभियान' का आरंभ एवं लक्ष्य

* वर्तमान समय में स्वच्छता को लेकर भारत की स्थिति

* स्वच्छता का महत्त्व

* उपसंहार

ख) विद्यार्थी जीवन में समय प्रबंधन का महत्त्व

* भूमिका
* समय का महत्त्व
* विद्यार्थी का समय प्रबंधन
* समय प्रबंधन न करने से हानि
* उपसंहार

ग) अनुशासित दिनचर्या

* भूमिका
* जीवन में अनुशासन की अपेक्षा
* लाभ
* उपसंहार

प्र.11 आपने एक ऑनलाईन शॉपिंग के माध्यम से कुछ सामान खरीदा, लेकिन तय राशि के भुगतान के बाद भी आपको अपना सामान नहीं मिला । कंपनी प्रबंधक से शिकायत करते हुए पत्र लिखिए । **(5)**

अथवा

कुछ ही समय पूर्व संपन्न हुए चुनावों में आपके मामाजी द्वारा चुनाव जीतने पर क्षेत्र के मतदाताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कामना करते हुए उन्हें बधाई पत्र लिखिए ।

प्र.12 किसी राज्य के पर्यटन विभाग की ओर से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **(5)**

अथवा

आपके क्षेत्र में एक नया शोरूम खुला है। उसकी विशेषताएँ बताते हुए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में लिखिए ।